हिन्दी सप्ताह की रिपोर्ट

(दिनांक 21.9.2007 से 27.9.2007)

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की में हर वर्ष की भाँति दिनांक 21, सितम्बर, 2007 से 27, सितम्बर, 2007 तक हिन्दी सप्ताह मनाया गया।

हिन्दी सप्ताह के सफल आयोजन के लिए सर्वप्रथम निदेशक महोदय ने विभिन्न समितियाँ गठित कर उन्हें अलग-अलग जिम्मेवारियाँ सौंपी। सभी समितियों ने यथानिर्देश अपना कर्तव्य-निर्वहन किया तथा हिन्दी सप्ताह बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया।

हिन्दी सप्ताह का उद्घाटन 21 सितम्बर, 2007 को संस्थान के सभागार में किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. बिचार दास, पूर्व-निदेशक केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली थे। डॉ. दास ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि हमें अपने सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए, उन्होंने राजभाषा हिन्दी के बारे में कई रोचक एवं महत्वपूर्ण बातों पर प्रकाश डाला और सभी का ज्ञानवर्धन किया। हिन्दी सप्ताह के दौरान संस्थान में राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार व विकास को ध्यान में रखते हुए सप्ताह भर हिन्दी काव्य पाठ, वाद-विवाद, आशुभाषण, तथा हिन्दी आशुलिपि प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इन सभी प्रतियोगिताओं में संस्थान के पदाधिकारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।

हिन्दी सप्ताह का समापन समारोह 27 सितम्बर, 2007 को आयोजित किया गया जिसमें श्री जयप्रकाश नारायण यादव, माननीय जल संसाधन राज्य मंत्री, भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में विराजमान थे। समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि ने संस्थान के उन सभी पदाधिकारियों को पुरस्कार प्रदान किये जिन्होंने हिन्दी सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन किया। समारोह की अध्यक्षता श्री मदन कौशिक, माननीय शिक्षा, आबकारी तथा गन्ना मंत्री, उत्तरांखड ने की।

इसी अवसर पर मुख्य अतिथि ने अपने कर-कमलों द्वारा संस्थान की वार्षिक हिन्दी पत्रिका **"प्रवाहिनी"** के 14वें अंक का विमोचन भी किया। अपने ज्ञानमयी ओजस्वी वक्तव्य के माध्यम से मुख्य अतिथि महोदय ने सभी पदाधिकारियों का आह्वान किया कि वे अपना सरकारी कामकाज यथासंभव हिन्दी में करें और दूसरों के लिए प्रेरणा-स्रोत बनें। समारोह की अध्यक्षता करते हुए श्री मदन कौशिक जी ने राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए संस्थान द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा सभी से अनुरोध किया कि वे सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रयोग को और अधिक बढ़ावा दें तथा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करें। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ कपिल देव शर्मा ने भी समस्त प्रतिभागियों को पुरस्कार प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई दी तथा कर्मचारियों से अनुरोध किया कि वे अपना ज्यादा से ज्यादा सरकारी काम हिन्दी में ही करें।

इस प्रकार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मन में हिन्दी के प्रयोग के प्रति रूचि बढ़ाने तथा कार्यालय में एक अनुकूल वातावरण पैदा करने के उद्देश्य से यह सप्ताह पूर्ण रूप से सफल एवं सार्थक रहा।